



अर्थव्यवस्था के प्रकार

विकास तथा उद्देश्य की दृष्टि से अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित प्रकार हैं-

1. विकसित अर्थव्यवस्था,
2. विकासशील अर्थव्यवस्था।

उद्देश्य की दृष्टि से अर्थव्यवस्था के स्वरूप

3. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था,
4. समाजवादी अर्थव्यवस्था,
5. मिश्रित अर्थव्यवस्था।

(1) विकसित अर्थव्यवस्था- आर्थिक व औद्योगिक दृष्टि से उन्नत मज़बूत, सम्पन्न व स्थिर अर्थव्यवस्था को विकसित अर्थव्यवस्था का नाम दिया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी में विकसित अर्थव्यवस्था पाई जाती है।

(2) विकासशील अर्थव्यवस्था- विकासशील अर्थव्यवस्था से आशय उन देशों की अर्द्धविकसित अर्थव्यवस्था से है जिन्होंने अपने आर्थिक विकास की प्रक्रिया आरम्भ कर दी है और विकास के पथ पर वे धीरे- धीरे बढ़ रहे हैं, किन्तु विकसित देशों की तुलना में वे काफी पिछड़े हुए हैं। उनके उद्योग भी अभी विकास की प्रारम्भिक अवस्था में हैं। उनके लोगों का रहन-सहन का स्तर तथा प्रति व्यक्ति आय विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। भारत, ब्राजील, विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के उदाहरण हैं।

(3) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था वह आर्थिक प्रणाली है। जिसमें निजी लाभ के लिए उत्पादन किया जाता है और उत्पादन के साधन निजी स्वामित्व में होते हैं। उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों में निजी उद्यम पाये जाते हैं तथा उसमें कीमत-यंत्र प्रचलित होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैण्ड, जर्मनी, फ्रांस, जापान, इटली आदि देशों में पूँजीवादी अर्थव्यवस्था पायी जाती है।

(4) समाजवादी अर्थव्यवस्था- यह वह आर्थिक प्रणाली है जिसमें उत्पादन के समस्त साधनों पर समाज या राज्य का अधिकार होता है और जिसमें उपभोग, उत्पादन, विनिमय

और वितरण की क्रियायें राज्य द्वारा जनसाधारण के हित के लिए होती हैं। वर्तमान में समाजवादी अर्थव्यवस्था चीन में पायी जाती है।

(5) मिश्रित अर्थव्यवस्था- मिश्रित अर्थव्यवस्था पूर्ण समाजीकरण तथा पूर्ण स्वतंत्र आर्थिक व्यवस्था की दो प्रणालियों के बीच का रास्ता है। इस अर्थव्यवस्था में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों का समन्वय तथा सह-अस्तित्व रहता है परन्तु निजी क्षेत्रों को प्रधानता दी जाती है। अपने-अपने क्षेत्र में दोनों इस प्रकार कार्य करते हैं। बिना शोषण के देश के समस्त वर्गों के कल्याण में वृद्धि होती है और देश का तीव्र गति से विकास होता है हमारे देश भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था पायी जाती है।

शिक्षाशास्त्र

महत्वपूर्ण लिंक

- [ई-लर्निंग का अर्थ | ई-लर्निंग की प्रकृति एवं विशेषतायें | ई-लर्निंग के विविध रूपों एवं शैलियों का उल्लेख](#)
- [ओवरहेड प्रोजेक्टर पर संक्षिप्त लेख | ओवरहेड प्रोजेक्टर का उपयोग | ओवरहेड प्रोजेक्टर की सीमायें](#)
- [आगमन विधि का अर्थ | निगमन पद्धति का अर्थ | आगमन विधि तथा निगमन पद्धति के गुण एवं दोष](#)
- [शिक्षा का अर्थ | शिक्षा की प्रमुख परिभाषाएँ | शिक्षा की विशेषताएँ | Meaning of education in Hindi | Key definitions of education in Hindi | Characteristics of education in Hindi](#)
- [शिक्षा की अवधारणा | भारतीय शिक्षा की अवधारणा | Concept of education in Hindi | Concept of Indian education in Hindi](#)
- [शिक्षा के प्रकार | औपचारिक, अनौपचारिक और निरौपचारिक शिक्षा | औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा में अन्तर](#)
- [शिक्षा के अंग अथवा घटक | Parts or components of education in Hindi](#)
- [शिक्षा के विभिन्न प्रकार | शिक्षा के प्रकार या रूप | Different types of education in Hindi | Types or forms of education in Hindi](#)
- [निरौपचारिक शिक्षा का अर्थ तथा परिभाषा | निरौपचारिक शिक्षा की विशेषताएँ | निरौपचारिक शिक्षा के उद्देश्य](#)
- [शिक्षा के प्रमुख कार्य | शिक्षा के राष्ट्रीय जीवन में क्या कार्य | Major functions of education in human life in Hindi | What work in the national life of education in Hindi](#)
- [वर्धा बुनियादी शिक्षा | वर्धा बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत | बुनियादी शिक्षा के उद्देश्य | वर्धा शिक्षा योजना के गुण - दोष](#)
- [राज्य के शैक्षिक कार्यों का वर्णन | शैक्षिक अभिकरण के रूप में राज्य के कार्यों का वर्णन कीजिये](#)
- [शैक्षिक अभिकरण के रूप में विद्यालय के कार्य | शैक्षिक अभिकरण के रूप में विद्यालय के कार्यों का वर्णन कीजिये](#)
- [विद्यालय को शिक्षा का प्रभावशाली अभिकरण बनाने के उपाय | विद्यालय को शिक्षा का प्रभावशाली अभिकरण बनाने के उपायों का वर्णन कीजिये](#)
- [शैक्षिक अभिकरण के रूप में परिवार के कार्य | Family functions as an educational agency in Hindi](#)
- [नवाचार का अर्थ | नवाचारों को लाने में शिक्षा की भूमिका | नवाचार की विशेषतायें](#)
- [नवाचार के मार्ग में अवरोध तत्व | शिक्षा में 'नवीन प्रवृत्तियों \(नवाचार\) के मार्ग में अवरोध तत्वों' का वर्णन](#)

- दर्शन का अर्थ | दर्शन की परिभाषाएं | दर्शन का अध्ययन क्षेत्र
- गांधी जी का शिक्षा दर्शन - आदर्शवाद, प्रयोजनवाद और प्रकृतिवाद का समन्वय है।
- शिक्षा में महात्मा गाँधी का योगदान या शैक्षिक विचार | गाँधीजी के शिक्षा दर्शन से आप क्या समझते हैं?
- विवेकानन्द का शिक्षा दर्शन शिक्षाशास्त्री के रूप में | विवेकानन्द के अनुसार शिक्षा के पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियां
- मानव निर्माण शिक्षा में स्वामी विवेकानन्द का योगदान | मानव निर्माण शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य
- आदर्शवाद में शिक्षा के उद्देश्य | आदर्शवाद में शिक्षा के सम्प्रत्यय
- जॉन डीवी के प्रयोजनवादी शिक्षा | जॉन डीवी की प्रयोजनवादी शिक्षा का अर्थ
- रूसो की निषेधात्मक शिक्षा | निषेधात्मक शिक्षा क्या है रूसो के शब्दों में बताइये
- आदर्शवाद की परिभाषा | आदर्शवाद के मूल सिद्धान्त
- सुकरात का शिक्षा दर्शन | सुकरात की शिक्षण पद्धति
- प्रकृतिवाद में रूसो एवं टैगोर का योगदान | प्रकृतिवाद में रूसो का योगदान | प्रकृतिवाद में टैगोर का योगदान
- प्रकृतिवाद क्या है | प्रकृतिवादी शिक्षा की प्रमुख विशेषताएँ | प्रकृतिवादी पाठ्यक्रम के सामान्य तत्व
- प्रकृतिवाद में रूसो का योगदान | रूसो की प्रकृतिवादी विचारधारा
- प्रयोजनवाद का अर्थ | प्रयोजनवाद दर्शन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन
- प्रयोजनवाद के शिक्षा के उद्देश्य | प्रयोजनवाद तथा शिक्षण-विधियाँ | प्रयोजनवाद के अनुसार शिक्षा-पाठ्यक्रम
- प्रयोजनवाद और प्रकृतिवाद में तुलना | प्रकृतिवादी दर्शन की विशेषताएँ | प्रयोजनवाद की विशेषताएं
- आधुनिक शिक्षा पर प्रयोजनवाद के प्रभाव का उल्लेख
- आधुनिक शिक्षा पर प्रकृतिवाद का प्रभाव | आधुनिक शिक्षा पर प्रकृतिवाद क्या प्रभाव पड़ा
- प्रयोजनवाद में पाठ्यक्रम के सिद्धान्त | प्रयोजनवादी पाठ्यक्रम पर संक्षिप्त लेख | प्रयोजनवाद में पाठ्यक्रम की विषयवस्तु का वर्णन
- ओशो का शैक्षिक योगदान | ओशो के शैक्षिक योगदान पर संक्षिप्त लेख
- फ़ेरा का शिक्षा दर्शन | फ़ेरा का शैक्षिक आदर्श | Frara's education philosophy in hindi | Frara's educational ideal in hindi
- इवान इर्लिच का जीवन परिचय | इर्लिच का शैक्षिक योगदान | Ivan Irlich's life introduction in hindi | Irlich's educational contribution in hindi
- जे0 कृष्णमूर्ति के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य | जे0 कृष्णमूर्ति के अनुसार शिक्षा के कार्य
- जे. कृष्णमूर्ति के दार्शनिक विचार | जे. कृष्णमूर्ति के दार्शनिक विचारों का वर्णन
- राष्ट्रीय एकता व भावात्मक एकता का सम्बन्ध | भारत में राष्ट्रीय एकता का संकट | निवारण हेतु कोठारी आयोग के सुझाव
- राष्ट्रीय एकता के मार्ग में मुख्य बाधाएं | शिक्षा द्वारा राष्ट्रीय एकता की बाधाओं को दूर करने के उपाय
- मूल्य शिक्षा के विकास में परिवार की भूमिका का वर्णन | Describe the role of family in the development of value education in Hindi
- मूल्य शिक्षा का अर्थ | मूल्य शिक्षा की आवश्यकता | मूल्य शिक्षा की अवधारणा
- भावनात्मक एकता के विकास में शिक्षा किस प्रकार सहायक हो सकती है? | बच्चों को भावनात्मक एकता के लिए शिक्षा देना क्यों आवश्यक है?
- पर्यावरण शिक्षा का अर्थ | पर्यावरण शिक्षा के लक्ष्य | पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम
- भावात्मक एकता के लिए भावात्मक एकता समिति द्वारा दिये गये सुझावों का वर्णन कीजिए।

- [राष्ट्रीय एकता का अर्थ](#) | [राष्ट्रीय एकता की प्राप्ति के लिए उपाय](#) | [राष्ट्रीय एकीकरण में शिक्षक की भूमिका](#)
- [भावात्मक एकता का अर्थ](#) | [भावात्मक एकता के स्तर](#) | [भावात्मक एकता के विकास में शिक्षा के कार्य](#) | [राष्ट्रीय एकता भावात्मक एकता के सम्बन्ध](#)
- [अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना क्या है?](#) | [शिक्षा किस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना का विकास करने में सहायक हो सकती है?](#) | [अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के बाधक तत्वों का उल्लेख कीजिए।](#)
- [भारत में शिक्षा का भूमण्डलीकरण किस प्रकार गति प्राप्त कर रहा है?](#) | [भूमण्डलीकरण क्या है?](#)
- [संचार का अर्थ](#) | [संचार के प्रकार](#) | [मीडिया एवं शिक्षा के मध्य सम्बन्ध](#) | [जनसंचार के साधनों का महत्व](#)

